॥ श्री गोस्वामी तुलसीदास कृत ॥

❀ रामायण ❀

# ॥ बालकांड ॥

श्री विनायकी टीका सहित

जो

वाच्यार्थ व्यंग्यार्थ गूढ़ार्थ पूरित, भाव, रस आदि सहित तथा विविध कविवरवाणी विभूषित है.

जिसे


पं० विनायक राव ( उपनाम कवि "नायक" )

( पूर्व ) असिस्टेण्ट सुपरिंटेंडेंट ट्रेनिङ्ग इंस्टिट्यूशन ( साम्प्रत ) पेंशनर

जबलपुर ने



रच कर प्रकाशित किया

यूनियन प्रेस क० लि० जबलपुर में मुद्रित हुआ

सम्वत् १९७१ सन् १९१५ ईस्वी



इसे सिवाय ग्रन्थकर्त्ता के किसी को छापने का अधिकार नहीं है


मोहर


प्रथमबार
२००० प्रति

न्यौछावर
दो रुपया